

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
(BDP PHILOSOPHY)**

Term-End Examination

June, 2016

01573

**ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY
BPY-004 : RELIGIONS OF THE WORLD**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

-
- Note :** (i) *Answer all questions.*
(ii) *All questions carry equal marks.*
(iii) *Answers to question nos. 1 and 2 should be in about 400 words each.*
-
-

1. Explain the Metaphysical theories of Religion. 20
OR
Briefly explain the sacred scriptures of Hinduism. 20
2. Describe "Kingdom of God" as the central teaching of Jesus. 20
OR
Explain the five pillars of Islam. 20
3. Answer **any two** of the following in about 200 words each :
(a) Give an exposition of the Hindu Idea of salvation. 10

- (b) Elaborate the eightfold path of Buddhism. 10
- (c) Explain religious experience and its relation to morality. 10
- (d) State the central beliefs and practices of Judaism. 10

4. Answer any four of the following in about 150 words each :

- (a) Why religious plurality is necessary to human ? 5
- (b) Comment on the contribution of Freud on psychology of religion. 5
- (c) Briefly explain maha-vratas of Jainism. 5
- (d) Explain the main principles of Confucian ethics. 5
- (e) What are the main pillars of Sikh religious practice ? 5
- (f) Describe the Zoroastrian concept of God. 5

5. Write short notes on any five of the following in about 100 words each :

- (a) Sangat 4
- (b) Digambara and Svetambaras 4
- (c) Purushartas 4
- (d) Bible 4
- (e) Sacred Fire of Zoroastrianism 4
- (f) Amaterasu 4
- (g) Tao-teh-ching 4
- (h) Kaivalya 4

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2016

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.-004 : विश्व के धर्म

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

- नोट : (i) सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

-
1. धर्म के तत्वमीमांसीय सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए। 20
अथवा
हिन्दू धर्म के पवित्र ग्रन्थों का वर्णन कीजिए। 20
2. जीसस की केन्द्रिय शिक्षा के रूप में 'ईश्वर का साम्राज्य' का वर्णन कीजिए। 20
अथवा
ईस्लाम के पाँच आधार स्तम्भों की व्याख्या कीजिए। 20

3. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए :
- (a) हिन्दू धर्म की मुक्ति/मोक्ष की अवधारणा को स्पष्ट करें। 10
- (b) बौद्ध धर्म के अष्टांगिक मार्ग की व्याख्या कीजिए। 10
- (c) धार्मिक अनुभव और इसके नैतिकता से सम्बंध का वर्णन कीजिए। 10
- (d) यहूदी धर्म के केन्द्रिय विश्वासों और व्यवहारों को स्पष्ट करें। 10
4. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :
- (a) मानव के लिए धार्मिक बहुलता क्यों अनिवार्य है? 5
- (b) धर्म के मनोविज्ञान के सम्बंध में फ्रायड के योगदान पर टिप्पणी कीजिए। 5
- (c) जैनधर्म के पंच महाव्रत की संक्षिप्त व्याख्या करें। 5
- (d) कन्फ्यूसियसवादी नीतिशास्त्र के मुख्य सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए। 5
- (e) सिक्खों के धार्मिक व्यवहारों के मुख्य स्तम्भ क्या हैं? 5
- (f) जोरोस्ट्रियन धर्म के ईश्वर-विचार का वर्णन करें। 5

5. किन्हीं पाँच प्रश्नों में प्रत्येक का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए :

- | | |
|-------------------------------------|---|
| (a) संगत | 4 |
| (b) दिगम्बर और श्वेताम्बर | 4 |
| (c) पुरुषार्थ | 4 |
| (d) बाइबल | 4 |
| (e) जोरोस्ट्रियनवाद की पवित्र अग्नि | 4 |
| (f) अमेतरासू | 4 |
| (g) ताओ-ते-चिंग | 4 |
| (h) कैवल्य | 4 |
-